

**G.S. College of Commerce & Economics (Autonomous)**  
 South Civil Lines, Jabalpur (M.P.)  
**Department of Economics**  
**M.A. (Economics) - IV Semester Syllabus Recommended by Board of Studies**  
 Session : 2020-21 Onwards

Internal Max. Marks : 10  
 Min. Pass Marks : 04

Main Exam Max. Marks : 40  
 Min. Pass Marks : 14

**Subject Group / विषय समुह** : **Compulsory / अनिवार्य**  
**Title of Subject** : **Indian Economic Policy**  
**विषय का शीर्षक** : **भारतीय आर्थिक नीतियाँ**  
**Paper No. / प्रश्नपत्र क्रमांक** : **First / प्रथम**

Unit-1	Framework of Indian economy - <ul style="list-style-type: none"> <li>• Economics Policy-An Introduction</li> <li>• Trend and Structure of National Income</li> <li>• Demographic Features and Indicators of Development</li> <li>• Poverty and inequality: Policy Implications</li> <li>• Employment and Unemployment: Policy Implications</li> </ul>
इकाई -1	भारतीय अर्थव्यवस्था की संरचना – <ul style="list-style-type: none"> <li>• आर्थिक नीतियाँ – परिचय</li> <li>• राष्ट्रीय आय की संरचना एवं प्रवृत्ति</li> <li>• जनांकिकी विशेषताएँ एवं विकास के सूचक</li> <li>• गरीबी और असमानता की नीतियों के निहितार्थ</li> <li>• रोजगार एवं बेरोजगारी – नीतियों के निहितार्थ</li> </ul>
Unit-2	Development Strategies in India - <ul style="list-style-type: none"> <li>• Planning in India: Objectives, Strategies and Evaluation</li> <li>• Economics Reforms in India</li> <li>• Critique of Economic Reforms</li> </ul>
इकाई -2	भारत में विकास की व्यूह रचना – <ul style="list-style-type: none"> <li>• भारत में नियोजन, उद्देश्य, व्यूह रचना एवं मूल्यांकन</li> <li>• भारत में आर्थिक सुधार</li> <li>• आर्थिक सुधारों की आलोचना।</li> </ul>

Unit-3	<b>Sectoral Performance-I</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>• Agricultural Growth, Productivity Trends and Crop Patterns</li> <li>• Issues and Concerns in Indian Agriculture</li> <li>• Industrial Sector in Pre-reform period.</li> <li>• Industrial Sector in Post-reform period with Emphasis of Small-Scale sector</li> </ul>
इकाई –3	<b>क्षेत्रीय निष्पादन –I</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>• कृषि विकास, उत्पादकता प्रवृत्ति और फसल के प्रतिरूप</li> <li>• भारतीय कृषि के मुद्दे और संबंध</li> <li>• सुधार के पश्चात् औद्योगिक क्षेत्र विशेषकर लघु पैमाने के क्षेत्र में।</li> </ul>
Unit-4	<b>Sectoral Performance-II</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>• Infrastructure</li> <li>• Indian Financial System: Money Market and Monetary Policy?</li> <li>• Capital Market in India and Working of SEBI</li> </ul>
इकाई –4	<b>क्षेत्रीय निष्पादन – II</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>• अधोसंरचना</li> <li>• भारतीय वित्तीय प्रणाली मुद्रा बाजार और मौद्रिक नीति</li> <li>• भारत में पूँजी बाजार और सेवा की कार्य प्रणाली</li> </ul>
Unit-5	<b>Sectoral Performance-III</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>• Foreign Trade and Balance of Payment</li> <li>• India and International Institutions</li> <li>• Multinational Corporation and Foreign Capital</li> <li>• Government Finance: Union and States</li> <li>• Fiscal Federalism in India and latest Finance Commission</li> </ul>
इकाई –5	<b>क्षेत्रीय निष्पादन – III</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>• विदेशी व्यापार एवं भुगतान संतुलन</li> <li>• भारत और अंतर्राष्ट्रीय संस्थायें</li> <li>• बहुराष्ट्रीय कंपनियों और विदेशी पूँजी</li> <li>• सरकारी वित्त-संघ एवं राज्य</li> <li>• भारतीय में संघीय वित्त एवं नवीन वित्त आयोग</li> </ul>
<b>पुस्तकें –</b> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. Indian Economy - Rudra Datt &amp; Sandaram</li> <li>2. भारतीय अर्थव्यवस्था – ए.एन. अग्रवाल</li> <li>3. भारतीय अर्थव्यवस्था – सतीश मुंजाल</li> <li>4. भारतीय आर्थिक नीति – पी.डी. माहेश्वरी</li> <li>5. Indian Economy - Rudra Dutt</li> <li>6. Indian Economy - P.P. Bhargava</li> <li>7. Indian Economy - A. Ghosh</li> </ol>	

**G.S. College of Commerce & Economics (Autonomous)**

South Civil Lines, Jabalpur (M.P.)

**Department of Economics**

**M.A. (Economics) - IV Semester Syllabus Recommended by Board of Studies**

Session : 2020-21 Onwards

Internal Max. Marks : 10

Min. Pass Marks : 04

Main Exam Max. Marks : 40

Min. Pass Marks : 14

**Subject Group / विषय समुह**

**: Compulsory / अनिवार्य**

**Title of Subject**

**: India's Foreign Trade and International  
Institutions**

**विषय का शीर्षक**

**: भारतीय विदेशी व्यापार एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएँ**

**Paper No. / प्रश्नपत्र क्रमांक**

**: Second / द्वितीय**

Unit-1	Foreign Trade and Economic Development Meaning and Components of Balance of Payment, Equilibrium disequilibrium of Balance of Payments, Factors causing disequilibrium Balance of Payments.
इकाई -1	विदेशी व्यापार और आर्थिक विकास— अर्थ और भुगतान संतुलन के घटक, भुगतान संतुलन में संतुलन एवं असंतुलन। भुगतान संतुलन में असमानता के कारण।
Unit-2	Adjustment Mechanism of balance of Payment Under Gold Standards, Under flexible Exchange rates (Price Effect), Under-Elasticity approach Marshall Lerner Principal. Under Capital Movement direct control for adjustment Foreign trade Multiplier and determination of Income.
इकाई -2	भुगतान संतुलन में समायोजन तंत्र—स्वर्णमान के अन्तर्गत परिवर्तनशील विनिमय (कीमत प्रभाव) लोचशीलता के अंतर्गत—मार्शल, लर्नरशर्त, पूंजी गतिशीलता के अंतर्गत और समायोजन के लिए प्रत्यक्ष नियंत्रण, विदेशी व्यापार गुणक एवं आय का निर्धारण।
Unit-3	Concept of Foreign exchange rate, determination of Equilibrium rate. Theories of exchange rate, determination the Purchasing power parity theory and the balance of Payment theory Factor causing change in exchange rates, Relatives merits and demerits of Fixed and Flexible exchange rate, concept of spot and forward exchange rates, convertibility of currency.
इकाई -3	विदेशी विनिमय दर की अवधारणा – विनिमय दर साम्य का निर्धारण, विनिमय दर के सिद्धांत, क्रय शक्ति समता सिद्धांत का निर्धारण, भुगतान संतुलन सिद्धांत, विनिमय दर में परिवर्तन के भरण, स्थिर एवं परिवर्तनशील विनिमय दर के गुणदोष तात्कालिक एवं अग्रिम विनिमय की अवधारणा, चलन मुद्रा की परिवर्तनशीलता।
Unit-4	Exchange control- Meaning feature, objectives and methods of exchange control devaluation. Devaluation - devaluation of Indian Rupee and its impact on out economy. Free Trade versus protection cases for and against.
इकाई -4	विनिमय नियंत्रण— अर्थ, विशेषताएं उद्देश्य और विनिमय नियंत्रण की विधियां। अवमूल्यन— भारतीय रुपये का अवमूल्यन, बाहरी अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव, स्वतंत्र बनाम संरक्षित व्यापार, पक्ष एवं विपक्ष तर्क।

Unit-5	World Trade Organization-Functions, Structure Objective and working of WTO India and WTO. Trade Block-EU, NAFTA, ASEAN International Monetary Fund- Origin, Objective, functions and working of the fund India & IMF World Bank Functions, Working India and the World Bank. Foreign Trade and BOP in India Recent Change in the direction and composition of trade Major Problems of Indian export sector.
इकाई -5	विश्व व्यापार संगठन- कार्य, ढॉचा, उद्देश्य और विश्व व्यापार संगठन की कार्यप्रणाली। भारत और विश्व व्यापार संगठन, व्यापारिक संघ, नाफटा, असिमान अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष- जन्म, उद्देश्य, कार्य, मुद्रा कोष की कार्यप्रणाली, भारत और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक-कार्य, कार्यप्रणाली, भारत और विश्व बैंक विदेशी व्यापार और भारत का भुगतान संतुलन, व्यापार में वर्तमान परिवर्तन के लिए निर्देशन एवं समन्वय, भारतीय में निर्यात क्षेत्र की प्रमुख समस्याएँ।

**पुस्तकें –**

1. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार – एम.एल. झिंगन, वृंदा पब्लिकेशन, दिल्ली
2. विकास का अर्थशास्त्र एवं नियोजन, एम.एल. झिंगन
3. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं वित्त – बी.सी. सिन्हा
4. विकास का अर्थशास्त्र एवं नियोजन – ओ.एस. श्रीवास्तव
5. विकास का अर्थशास्त्र एवं नियोजन – शर्मा एवं वाष्ण्य
6. अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र – पी.डी. माहेश्वरी

**G.S. College of Commerce & Economics (Autonomous)**

South Civil Lines, Jabalpur (M.P.)

**Department of Economics**

**M.A. (Economics) - IV Semester Syllabus Recommended by Board of Studies**

Session : 2020-21 Onwards

Internal Max. Marks : 10

Min. Pass Marks : 04

Main Exam Max. Marks : 40

Min. Pass Marks : 14

<b>Subject Group / विषय समुह</b>	:	<b>Compulsory / अनिवार्य</b>
<b>Title of Subject</b>	:	<b>Labour Economics-II</b>
<b>विषय का शीर्षक</b>	:	<b>श्रम अर्थशास्त्र- II</b>
<b>Paper No. / प्रश्नपत्र क्रमांक</b>	:	<b>Third / तृतीय</b>

Unit-1	Inflation - Wage relationship at micro and macro levels; productivity and wage relationship : analysis of rigidity in labour markets : asymmetric information and efficiency of labour markets in wage determination : national wage policy wages and wage boards in India. Bonus system and profit sharing.
इकाई -1	समष्टि व व्यष्टि स्तर में स्फीति एवं मजदूरी संबंध, उत्पादकता एवं मजदूरी संबंध, श्रम बाजार में मजदूरी निर्धारण में असमलित सूचनाएँ तथा दक्षताएँ, राष्ट्रीय मजदूरी, नीति, भारत में मजदूरी एवं मजदूरी आयोग, बोनस एवं लाभ विभाजन प्रक्रिया।
Unit-2	Theories of labour movement - growth, pattern and structure of labour unions in India. Achievements of labour unions : Causes of industrial disputes and their settlement and prevention mechanism : in India role of tripartism.
इकाई -2	श्रम आंदोलन के सिद्धान्त - भारत में श्रम संगठन का विकास, प्रारूप एवं संरचना, श्रम संगठन की सफलताएँ, भारत में औद्योगिक संघवाद संघर्ष एवं समस्याएँ तथा बचाव के तरीके, त्रिपक्षीय भूमिका।
Unit-3	Current trends in collective bargaining : Role of Judicial Activism : Labour legislation in India. Indian labour laws and practices in relation to International labour standards.
इकाई -3	सामूहिक सौदेबाजी की वर्तमान प्रवृत्तियाँ, न्यायिक सक्रियतावाद की भूमिका, भारत में श्रम सन्नियम, भारत में श्रम मानकों में व्यावहारिक उपयोगिता नीति, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के संदर्भ में।
Unit-4	State and social security of labour, concept of social security and its evolution social assistance and social insurance : Review and appraisal of states policies with respect to social security and labour welfare in India; problems of labour, child labour, female labour.
इकाई -4	राज्य तथा श्रम की सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा - अर्थ एवं उद्गम, सामाजिक सहायता एवं सामाजिक बीमा, भारत में सामाजिक सुरक्षा एवं श्रम कल्याण की विभिन्न राज्यीय नीतियों का पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन, विशेष श्रम समस्याएँ-बाल श्रमिक, महिला श्रमिक।

Unit-5	Discrimination and gender bias in treatment of labour : receding state and its effect on working of labour markets : Labour Market reforms- Exit policy, need for safety nets, measures imparting flexibility in labour markets; second national commission on labour; globalization and labour markets.
इकाई -5	श्रम के प्रति दृष्टिकोण में विभेद तथा लिंग के आधार पर पक्षपात, राज्य परावृत्तन एवं श्रम बाजार की कार्यप्रणाली पर उसका प्रभाव, श्रम बाजार, सुधार-निर्गम नीति, सुरक्षा जाल की आवश्यकता, श्रम बाजार में आंशिक लचीलेपन के उपाय, श्रमिकों पर द्वितीय राष्ट्रीय आयोग, विश्व व्यापीकरण एवं श्रम बाजार।

### Books Recommended :

1. Datt.G (1996) - Bargaining Power, Wages and Employment : An analysis of agricultural labour market in India. Saga Publications, New Delhi.
2. Hajela P.D. (1988) - Labour Restructuring in India : A critique of the new economic policies. Commonwealth Publishers, New Delhi.
3. Jhanvata, R. and R.K. Subrahmanya (Eds.) (2000). The Unorganised sector: Work Security and Social Protection. Saga Publication, New Delhi
4. Papola, T.S., P.P. Ghosh and A.N. Sharma (Eds.) (1993) - Labour Employment and Industrial Relations in India. B.R. Publication Corporation, New Delhi.
5. Deshpandey, L.K., P.R. Brahamananda, E.A.G. Robinson, (Eds.) (1983) - Employment Policy in a Developing Economy, Vol. I & II Macmillan, London

**G.S. College of Commerce & Economics (Autonomous)**

South Civil Lines, Jabalpur (M.P.)

**Department of Economics**

**M.A. (Economics) - IV Semester Syllabus Recommended by Board of Studies**

Session : 2020-21 Onwards

Internal Max. Marks : 10

Min. Pass Marks : 04

Main Exam Max. Marks : 40

Min. Pass Marks : 14

<b>Subject Group / विषय समुह</b>	:	<b>Compulsory / अनिवार्य</b>
<b>Title of Subject</b>	:	<b>Industrial Economics-II</b>
<b>विषय का शीर्षक</b>	:	<b>औद्योगिक अर्थशास्त्र– II</b>
<b>Paper No. / प्रश्नपत्र क्रमांक</b>	:	<b>Fourth / चतुर्थ</b>

Unit-1	Investment Expenditure, Methods of Evaluating Investment Expenditure, Mergers and Acquisition (M & As) and Diversification. Global Competitiveness of Indian Industries.
इकाई –1	निवेश व्यय, निवेश के मूल्यांकन की विधियाँ विलयन एवं अधिग्रहण एवं विधिकरण। भारतीय उद्योगों का वैश्वीय प्रतिस्पर्धात्मक।
Unit-2	Growth and current problems of selected large scale industries in India iron & steel, cotton textiles, jute cement, sugar and engineering goods. (Organised manufacturing sector), developing of small scale and cottage industries in India.
इकाई –2	भारत के चयनित बड़े पैमाने के उद्योगों का विकास एवं वर्तमान समस्याएँ – लोहा एवं इस्पात, सूती वस्त्र, जूट, सीमेन्ट, चीनी एवं इंजीनियरिंग वस्तुएँ (संगठित एवं विनिर्माण क्षेत्र) भारत में लघु एवं कुटीर उद्योगों का विकास।
Unit-3	Sources of Industrial finance Equity (owned), debt (external) role & growth of major funding agencies IOBI, IFCI, SFDs, SIDS and commercial banks etc., in the Indian industrial development. Role of FDI in industrial development.
इकाई –3	औद्योगिक वित्तीय के स्रोत—अंश (स्वामित्व), ऋण (बाह्य) मुख्य वित्तीय संस्थाओं का विकास एवं भूमिका—आई.ओ.बी.आई., आई.एफ.सी.आई., एस.एफ.डी.एस., एस.आई.डी.एस. एवं वाणिज्य बैंक आदि, भारत के औद्योगिक विकास में भूमिका, औद्योगिक विकास में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की भूमिका।
Unit-4	Regional Distribution of Industries and Regional Disparities in Industrial Growth along with special reference to Industrial Development of Madhya Pradesh.
इकाई –4	उद्योगों का क्षेत्रीय वितरण एवं औद्योगिक विकास के आधार पर क्षेत्रीय विषमता, मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास के विशेष संदर्भ में।
Unit-5	Structure of Industrial Labour, Problem and Policies of Indian Industrial Labour, Employment Dimensions of Indian Industries, Trends in Wages and Problems of Bonus and Social Securities.
इकाई –5	औद्योगिक श्रमिकों की संरचना, औद्योगिक श्रमिकों की समस्याएँ एवं नीतियाँ, भारतीय उद्योगों में रोजगार के आयाम, मजदूरी एवं बोनस की समस्याएँ एवं सामाजिक सुरक्षा की प्रवृत्तियाँ।

## **Books Recommended :**

1. T.R. Sharma - Location of industries in India
2. Cherunilam, F (1994) - Industrial Economics in Indian Perspective (3<sup>rd</sup> Edition), Himalaya Publishing House, Mumbai
3. E.A.O. Robinson - Structure of Competitive Industry
4. Jalan B (1996) - India's Economic Policy, Viking, New Delhi
5. Divine P.J. & R.M. James et al. (1976)- In introduction to Industrial and Unwin Ltd. London
6. Hay D & D.J. Morris - Industrial Economics theory & Evidence, Oxford.